

जमशेदपुर पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन से मिले जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज के प्राचार्य व शिक्षक

कोल्हान के सबसे बड़े महाविद्यालय को विश्वविद्यालय बनाने का आश्वासन प्राचार्य का दावा- कॉलेज परिवार की मांग पर मुख्यमंत्री गंभीर, वीमेंस यूनिवर्सिटी की तरह होगा अपग्रेड

PHOTON NEWS JSR: जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज को यूनिवर्सिटी का दर्जा प्रदान करने के लिए कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अमर सिंह ने गुरुवार को शहर के दौरे पर आये मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उच्च शिक्षा एवं तकनीक मंत्री चंपाई सोरेन एवं स्वास्थ्य मंत्री बना गुप्ता से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सह आग्रह पत्र सौंपा। प्राचार्य डॉ. अमर सिंह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कॉलेज के इतिहास एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। साथ ही बताया कि जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज



मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुलाकात करते प्राचार्य अमर सिंह (फोटो न्यूज)

का यूनिवर्सिटी के रूप में उन्नयन का प्रस्ताव उच्च एवं तकनीक शिक्षा विभाग की ओर से तैयार कर लिया गया है। इसके साथ ही उन्होंने कॉलेज को यूनिवर्सिटी के रूप में अपग्रेड करने का आग्रह किया। डॉ. अमर सिंह ने बताया

कि इस कॉलेज में वर्तमान में 8000 से भी ज्यादा विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इनमें ज्यादातर छात्र-छात्राएँ आर्थिक रूप से कमजोर, अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति से हैं। जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज



को जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज की तरह यूनिवर्सिटी के रूप में अपग्रेड करने पर इस क्षेत्र के विद्यार्थियों को बहुत लाभ होगा। यह मांग भी बहुत पुरानी है, जिसे धरतल पर उतारने का आग्रह किया गया है। प्राचार्य के साथ

सीएम से मिला शिक्षक संघ, पुरानी पेंशन के लिए जताया आभार

JAMSHEDPUR: शहर के दौरे पर गुरुवार को आये मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कोल्हान यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (टाकू) के शिष्टमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान राज्य के विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल किये जाने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। इस क्रम में टाकू के वरीय सदस्य डॉ. संजय यादव ने मुख्यमंत्री को शॉल एवं बुलदस्ता भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इसके अलावा शिष्टमंडल ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंपाई सोरेन के प्रति भी आभार



जताया। तत्पश्चात शिक्षकों ने स्वास्थ्य मंत्री बना गुप्ता से भी मुलाकात की। शिष्टमंडल में डॉ. संजय यादव, डॉ. प्रभात कुमार सिंह, डॉ. अशोक कुमार रवानी, डॉ. स्वाति सोरेन शामिल थीं।

करने में हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया है।

प्रतिनिधिमंडल में प्राचार्य के साथ कॉलेज की शिक्षिका डॉ. स्वाति

सोरेन, शिक्षक डॉ अशोक कुमार रवानी भी शामिल रहे।

BRIEF NEWS

रेलवे ओवरब्रिज पर जाम से यात्री और स्कूली बच्चे रहे परेशान

JAMSHEDPUR: टाटानगर स्टेशन रेलवे ओवरब्रिज से गुजरने वाले अनेक लोग गुरुवार को सुबह परेशान रहे। ओवरब्रिज पर एक 709 वाहन खराब हो गया था। इस वजह से देखते ही देखते ओवरब्रिज के दोनों छोर पर बमार्मिडस और स्टेशन की ओर से लंबा जाम लग गया। जाम की वजह से बच्चों को स्कूली वाहन व बच्चों को छोड़ने जा रहे अभिभावकों से लेकर ट्रेन पकड़ने जा रहे यात्री परेशान रहे। उन्हें काफी मशकत और भागदौड़ करनी पड़ी। छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भारी भरकम बैग हाथ में लेकर दौड़ते नजर आये। जाम में फंसे वाहन रंगते रहे। सुबह इस स्थिति से निजात दिलाने की दिशा में सहयोग के लिए ट्रैफिक या स्थानीय थाना का कोई पदाधिकारी अथवा कॉन्स्टेबल दूर दूर तक नजर नहीं आया। हालांकि आमतौर पर दिन भर स्टार टॉर्कीज एवं संकटा सिंह पेट्रोल पंप के पास ट्रैफिक जांच रहती है। जांच करने में चेकिंग थॉट्ट तक आने में ट्रैफिक पुलिस छोड़ा भी लेट नहीं करती, लेकिन जाम की स्थिति से निपटने के लिए उनका कुछ पता नहीं था।

ग्रेजुएट कॉलेज में छात्राओं को मिली सर्वाइकल कैंसर से बचाव की जानकारी

JAMSHEDPUR: साकची स्थित द ग्रेजुएट स्कूल कॉलेज पर वीमेंस की एनएसएस इकाई एवं लॉयंस क्लब जमशेदपुर स्टील सिटी की ओर से कॉलेज में सर्वाइकल कैंसर संबंधी हेल्थ अवेरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. रीतिक केडिया थीं, जिन्होंने सर्वाइकल कैंसर के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने इससे बचाव के लिए वैक्सिन के बारे में बताया। इस क्रम में कहा कि यह कैंसर पूरी तरह से ठीक हो सकता है, अगर इसका शुरुआत में ही पता कर लिया जाय। कॉलेज की ही प्राचार्य डॉ वीणा सिंह प्रियदर्शी ने पौधा भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर एवं भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ सुलेखा कुमारी ने किया।

परसुडीह में अधेड़ की कूच कर हत्या, आरोपी हुआ गिरफ्तार

खूटी के साइको का निवासी है आरोपी, भागने के क्रम में धराया

PHOTON NEWS JSR: परसुडीह थाना अंतर्गत कौताडीह सुपर ब्याज क्लब मैदान के पास उस समय सनसनी फैल गई, जब किराये के मकान में रह रहे खूटी निवासी प्रतीक हंस ने स्थानीय निवासी तुरन कुंडलना (50) की पत्थर से कूच कर निर्मम हत्या कर दी। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। परसुडीह थाना प्रभारी फैज अकरम की तत्परता से सरायकेला-खरसावां जिला स्थित कांडा के पास आरोपी प्रतीक हंस को एक बस से गिरफ्तार कर लिया। इधर, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में पुलिस ने मृतक के भाई गीदान कुंडलना के बयान पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू



तुरन कुंडलना (फाइल फोटो)

सलाह देने पर कर दी हत्या

पूछताछ के क्रम में आरोपी प्रतीक ने पुलिस को बताया कि वह मूल रूप से खूटी जिले के सुदूरवर्ती इलाके का रहने वाला है। जिले के एक पंचायत भवन में चोरी की थी, जिससे बचने के लिए जनवरी माह

ऐसे चढ़ा पुलिस के हत्ये

परसुडीह थाना प्रभारी फैज अकरम ने बताया कि उन्हें देर रात घटना की सूचना मिली 5 थी। सूचना पर वे घटनास्थल पर पहुंचे। पड़ोसियों से प्रतीक का फोन नंबर मिला। उसके नंबर को तुरंत टैक पर डाला। उस वक्त उसका लोकेशन आदिपपुर के पास आ रहा था। देर किये बगैर वह आदिपपुर की ओर खाना हुए। इसी बीच प्रतीक के लोकेशन में काफी तेजी से मूवमेंट होने लगा। उन्हें पता चल गया कि वह शहर छोड़कर भागने वाला है। पीछा करते हुए वह कांडा के आगे एक बस के पास पहुंचे, जो लोकेशन के काफी करीब था। बस को रोककर जांच करने पर प्रतीक को उसी बस में पाया। वह खूटी स्थित अपने गांव जा रहा था। उसे पकड़कर घटनास्थल लेकर पहुंचे, जहां उसने हत्या की बात कबूल ली। फिलहाल उसे जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।

शदी कर लो, कुछ काम-धंधा किया करो। इस तरह घर में घुसकर मत रहा करो। तुरतन को कई बार समझाने का प्रयास किया पर वह बोलाता ही रहा। इस पर गुस्से में आकर उसने पास में रखे पत्थर से कूचकर उसे घायल कर दिया और घर में ताला बंद कर फरार हो गया।

तीन वर्ष बाद 69 मजदूरों को मिली बकाया राशि



बकाया राशि प्राप्त करने के बाद खुशी जताते मजदूर (फोटो न्यूज)

JAMSHEDPUR: उपश्रमायुक्त कार्यालय में गुरुवार को पेटमदा प्रखंड के 69 मजदूरों को तीन वर्ष बाद बकाया राशि मिली। इंस्ट इंडिया उद्योग के वरीय प्रबंधक अश्वनीकांत पांडे की मौजूदगी में गोबरचुसी संघस्थित आम्दा पहाड़ी के 69 मजदूरों ने बिजली का खंभा लगाया था। बकाया राशि का चेक झारखंड मुक्ति मोर्चा श्रमिक संघ के महासचिव शैलेंद्र मैथी, झारखंड दलित मोर्चा के जिला अध्यक्ष अजय रजक व

घाटशिला इलाके में चोरी व छिनताई की घटना से लोगों में दहशत

GHATSILA: घाटशिला थाना क्षेत्र में लगातार चोरी एवं चैन छिनताई की घटना को लेकर स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। सुबह और शाम के समय विशेष कर टहलने के लिए निकली महिलाओं को अपराधकर्मी अपना निशाना बना रहे हैं। साथ ही बंद घर में चोर हाथ साफ कर रहे हैं। क्षेत्र में पिछले एक महीने के अंदर लगातार चोरी तथा चैन छिनताई की घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई है। पिछले दिनों काशीदा गांव में सड़क पर टहल रही महिला के गले से सोने की चैन छिनकर उच्चके फरार हो गये थे। दूसरी घटना लाडलीह मोहल्ला निवासी कृष्ण बिहारी शर्मा परिवार सहित बिहार के सासाराम गया था। बंद घर देखकर चोर ने स्पेंडर बाइक समेत सोने के जेवरात सहित अन्य सामान की चोरी हो गई।

सावन मिलन में झूमीं रोटरी फेमिना

बिष्टपुर में आयोजित किया गया कार्यक्रम, सदस्यों ने लिया भाग



कार्यक्रम में शामिल रोटरी क्लब की महिलाएं (फोटो न्यूज)

JAMSHEDPUR: रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर फेमिना ने बिष्टपुर स्थित होटल बुलेवर्ड में गुरुवार को सावन मिलन 'आया सावन झूम के' मनाया। सभी महिलाएं हरे परिधान में सज-संवरकर समारोह में शामिल हुईं, जिसमें श्रीप्रिया धर्मराजन, पयम आदेसरा एवं शशि गाड़िया ने नृत्य कर 'सावन'का स्वागत किया। सावन के गीतों पर महिलाओं ने रैंप वॉक कर फैशन का जलवा बिखेरा और गीत संगीत का आनंद

को-ऑपरेटिव कॉलेज में दो दिवसीय सावन महोत्सव आयोजित

JAMSHEDPUR: जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज के कला एवं सांस्कृतिक विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय सावन महोत्सव गुरुवार को संपन्न हुआ। समान पर मुख्य अतिथि कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अमर सिंह थे। महोत्सव के दौरान मेहंदी रचाओ, अंतर्राष्ट्रीय समेत गीत-संगीत एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम कला एवं सांस्कृतिक पक्ष की संयोजक डॉ. अंतरा कुमारी के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागी को आगामी 15 अगस्त को पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर आईयूपएससी की को-ऑर्डिनेटर डॉ. नीता सिन्हा, डॉ. एसपन ठाकुर, डॉ. संजय यादव, डॉ. अशोक कुमार रवानी, डॉ. मंगला श्रीवास्तव, डॉ. प्रभात कुमार सिंह, डॉ. दुर्गा तामसोय, समेत अन्य मौजूद रहे।

कोल्हान यूनिवर्सिटी : परीक्षा विभाग की ओर से जल्द जारी किया जाएगा एग्जाम के लिए एडमिट कार्ड

21 केंद्रों पर 20 अगस्त से शुरू होगी स्नातक फाइनल सेमेस्टर की परीक्षा

PHOTON NEWS JSR: कोल्हान विश्वविद्यालय में स्नातक फाइनल सेमेस्टर (सत्र 2021-24) की परीक्षा आगामी 20 अगस्त से शुरू हो रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से केंद्रों की सूची जारी कर दी गयी है। यह परीक्षा पूरे कोल्हान में बने 21 केंद्रों पर दो पालियों में संचालित होगी। पहली पाली सुबह 10 से 1 बजे तथा दूसरी पाली दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक चलेगी। जिन कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है उनके प्रचार्यों व प्रभारी प्राचार्यों को विवि ने केंद्राधीक्षक नियुक्त किया है। यह परीक्षा 28 अगस्त तक चलेगी। परीक्षा का इसका एडमिट कार्ड 10 अगस्त के बाद जारी किया जाएगा, जिसे परीक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से



इन केंद्रों पर होगी परीक्षा
एबीएम कॉलेज, बहरागोड़ा कॉलेज, घाटशिला कॉलेज, ग्रेजुएट कॉलेज, को-ऑपरेटिव कॉलेज, वर्कर्स कॉलेज, जेएलएन कॉलेज चक्रधरपुर, केएस कॉलेज सरायकेला, एलबीएसएम कॉलेज, महिला कॉलेज चाईबासा, सिंहभूम कॉलेज चांडिन, टाटा कॉलेज चाईबासा, करीम सिटी कॉलेज, पेटमदा डिग्री कॉलेज, सेंट आगस्टिन कॉलेज, नोवामुडी कॉलेज, केएमपीएम वोकेशनल कॉलेज, डिग्री कॉलेज मोहानपुर, मॉडल महाविद्यालय सरायकेला-खरसावा, एजेके कॉलेज वाकुलिया।

इन केंद्रों पर 13 अगस्त से शुरू होगी पीजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा : कोल्हान विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2023-25) की परीक्षा 13 अगस्त से आरंभ हो रही है, जो 24 अगस्त तक चलेगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर करीब छह हजार से अधिक विद्यार्थी परीक्षा देंगे। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा केंद्रों की सूची जारी कर दी गयी है। परीक्षा दो पालियों में होगी। इसकी पहली पाली सुबह 9 से 12 बजे तथा दूसरी पाली दोपहर 1:30 से शाम 4:30 बजे तक चलेगी। परीक्षा का एडमिट कार्ड विवि की

वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, जहां से परीक्षार्थी उसे डाउनलोड कर सकेंगे। बता दें कि यह परीक्षा पूरे एक साल विलंब से हो रही है। परीक्षा विभाग ने बीएड कॉलेजों के प्राचार्यों को पत्र लिखकर प्रायोगिक परीक्षा व आंतरिक परीक्षा से संबंधित दिशा निर्देश दिए हैं।

वोकेशनल कोर्स में नामांकन के लिए फिर बढ़ी आवेदन की तिथि

कोल्हान विश्वविद्यालय के कॉलेजों में संचालित वोकेशनल कोर्सों में नामांकन के लिए स्टूडेंट्स नहीं मिल रहे हैं। इस वजह से विवि को बार-बार एडमिशन की तिथि आगे बढ़ानी पड़ रही है। गुरुवार को विवि की ओर से इसे लेकर नया नोटिफिकेशन जारी किया गया। इसके तहत स्टूडेंट्स विवि की ओर से संचालित एमबीए, एमसीए, बीबीए, बीसीए व बीएससी आईटी जैसे कोर्सों में अब 31 अगस्त तक दाखिला ले सकेंगे।

आरवी में मना बैंगलेस डे, छात्रों ने किया क्वाइन न्यूजियम का भ्रमण



शैक्षणिक भ्रमण पर संग्रहालय पहुंचे बच्चे (फोटो न्यूज)

JAMSHEDPUR: साकची स्थित राजेंद्र विद्यालय की ओर से गुरुवार को आईसीएसई के निर्देश पर बैंग रहित दिवस (बैंगलेस डे) का आयोजन किया गया। यह आयोजन स्कूल की पांचवी कक्षा के छात्र-छात्राओं के लिए किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को स्थानीय सिक्का संग्रहालय ले जाया गया। वहां छात्र-छात्राओं ने आदिकाल से लेकर अबतक के विभिन्न प्रकार सिक्के देखे। छात्र-छात्राओं के बाल मन में उपरिष्ठ अनेक सवाल का जवाब भी संग्रहालय के प्रीतम बासु, प्रकाश कुमार एवं पंकज कुमार ने दिया। वहां छात्र-छात्राओं के बीच प्रश्नोत्तर का भी आयोजन किया गया। इसमें सभी छात्र-छात्राओं को को स्मृति चिन्ह के रूप में विभिन्न सिक्के प्रदान किए गए।

फिटनेस

जाघों और बट को टोन करने के लिए



यह है सबसे अच्छी एक्सरसाइज

जाघों की चर्बी महिलाओं की सबसे बड़ी समस्या होती है। जाघों और बट का मोटापा महिलाओं के बांडी शेप को खराब कर देता है। बट फेट को कम करने के लिए एक्सरसाइज की जरूरत होती है। जाघों और बट में फेट होने की वजह से महिलाओं को चलने में भी परेशानी होती है। अगर आप जाघों की चर्बी घटाने के उपाय खोज रहे हैं, तो सिंगल-लेग स्क्वाट एक्सरसाइज करने चाहिए। सिंगल-लेग स्क्वाट नियमित करने से जाघों की चर्बी बहुत तेजी से घटने लगती है। आइए जानते हैं सिंगल-लेग स्क्वाट करने का सही तरीका। जाघों की चर्बी कम करने के लिए सिंगल-लेग स्क्वाट करने का सही तरीका पता



एक्सरसाइज करने की सलाह नहीं दी जाती है।

पहला चरण

सबसे पहले आप बेंच या कुर्सी से दो फीट दूर खड़े होते हैं। अब आपको एक पैर को पीछे की तरफ से कुर्सी या बेंच पर रखना होता है। आपके कंधे और हाथ चित्र में जैसा दिख रहा है वैसा होना चाहिए।

दूसरा चरण

जो पैर जमीन में हो वो एक दम सीधा रखने की कोशिश करें। अब स्क्वाट की तरह आपको नीचे की ओर जाना होता है।

तीसरा चरण

इस चरण में आपको नीचे से ऊपर की ओर आना होता है। आपके हाथ दोनों एक साथ जुड़े होने चाहिए। सर सीधा होना चाहिए।

चौथा चरण

ऊपर की तरह ही आपको दूसरे पैर के साथ भी यही अभ्यास दोहराना है। एक पैर पर कम से कम 10 बार स्क्वाट आपको करना है। जाघों की चर्बी घटाने के लिए यह सिंगल-लेग स्क्वाट नियमित तौर पर करना चाहिए। अगर आप रोजाना यह एक्सरसाइज करती हैं, तो कुछ दिनों में आपके जाघों और बट का फेट बनने लगता है। इस एक्सरसाइज को करने से सेक्सि फिगर और टोन बट बनने लगता है।

सावधानियां अगर आपके घुटनों में दर्द

की समस्या है, तो यह एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए। बहुत अधिक वजन वाले लोगों को भी यह

ब्यूटी

विंटर में डरकी स्किन टोन की महिलाएं ट्राई करें ये डार्क लिपस्टिक शेड्स



विंटर सीजन में महिलाओं के लिए एक्टिवेटिव लुक पाना बहुत आसान होता है। इस कुल सीजन में आप डार्क टोन मेकअप को अपनी पहली पसंद के रूप में चुन सकती हैं। क्योंकि सर्दी के मौसम में डार्क टोन मेकअप आपको एक्टिवेटिव लुक देने का काम करता है। लेकिन डरकी स्किन टोन वाली महिलाएं अक्सर अपने मेकअप को लेकर टेशन में रहती हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके लिए कुछ लिपस्टिक शेड्स आइडिया लेकर आए हैं। जिन्हें आप इस विंटर सीजन अपने फेवरेट लिपस्टिक शेड्स की लिस्ट में शामिल कर सकती हैं।

बोल्ड पिंक शेड

पिंक लिपस्टिक शेड हर लड़की की पहली पसंद होती है। लेकिन डरकी स्किन टोन की महिलाओं के चेहरे पर लाइट कलर के लिपस्टिक शेड बिल्कुल भी अच्छे नहीं लगते। ऐसे में आप बोल्ड यानि डार्क पिंक शेड को अपने मेकअप पाउच में शामिल कर सकती हैं। पिंक लिपस्टिक का ये शेड डरकी स्किन टोन वाली महिलाओं को एक एक्टिवेटिव लुक देता है। ब्राइंड्स के लिए भी ये बोल्ड पिंक शेड यूनिवर्सल और बेस्ट ऑप्शन है।

वाइन लिप शेड

विंटर सीजन में बोल्ड और सेक्सि लुक पाने के लिए आप वाइन डीप शेड चुन सकती हैं। डरकी स्किन टोन की महिलाओं के लिए ये शेड काफी अच्छा है, सभी स्किन टोन की महिलाएं भी इस शेड को यूज कर सकती हैं।

चॉकलेट ब्राउन लिप शेड

विंटर सीजन में आप अपने लिपस को एक्टिवेटिव और खूबसूरत लुक देने के लिए चॉकलेट ब्राउन शेड के साथ जा सकती हैं। ये आपको इस मौसम में बोल्ड लुक देने में मदद कर सकता है।

पर्पल लिप शेड

अगर आप अपने लिपस के साथ कुछ एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं। तो आप पर्पल लिप शेड के साथ जा सकती हैं। ये लिप शेड आपको एक यूनिवर्सल लुक देने के साथ एक्टिवेटिव भी बनाएगा।

प्लम शेड

किसी पार्टी या खास मौके पर अगर आप अपने आपको ड्रैमेटिक टच देना चाहती हैं, तो आप इस डार्क प्लम शेड को अपने लिपस्टिक कलेक्शन में जरूर शामिल करें। इस सीजन में आपको आपको एक्टिवेटिव लुक देने के लिए ये लिपस्टिक शेड बेस्ट ऑप्शन है।

कपकोट की खूबसूरती के आगे नैनीताल भी फेल

उत्तराखंड की हसीन वादियों में ऐसी कई अद्भुत और बेहतरीन जगह मौजूद हैं, जो



सैलानियों की नजर से बची हुई हैं। कपकोट एक ऐसी ही जगह है, जिसके सामने कई बार नैनीताल भी फीका लगता है। कपकोट में किसी बेहतरीन जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले जियो पॉइंट का नाम जरूर लिया जाता है।

पहाड़ी की चोटी पर मौजूद यह स्थान सैलानियों के बीच में काफी फेमस है। जियो पॉइंट अपनी अद्भुत खूबसूरती के लिए के लिए काफी फेमस है। जियो पॉइंट से कपकोट की हसीन खूबसूरती को करीब से निहार सकते हैं। मानसून या ठंड के समय जियो पॉइंट बादलों से ढक जाता है। आपको बता दें कि मुख्य शहर से जियो पॉइंट जाने के लिए आक ट्रेकिंग भी कर सकते हैं। कपकोट से कुछ ही दूरी पर मौजूद पनीरा एक बेहद ही खूबसूरत और मनमोहक स्थान है। अगर आप उत्तराखंड में शांत से भी शांत जगह घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो फिर आपको पनीरा जरूर पहुंचना चाहिए। पनीरा को प्रकृति प्रेमियों

के लिए जन्म माना जाता है। यहां आपको हर तरफ हरियाली ही हरियाली दिखाई देगी। आसपास मौजूद छोटी-छोटी झील और झरने इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती हैं।



बाहरी मार्केट वैसे तो स्थानीय मार्केट है, लेकिन

कपकोट में घूमने के लिए एक बेस्ट स्थान माना जाता है। बाहरी मार्केट को कपकोट का मॉल रोड माना जाता है। इसलिए यहां चहल-पहल भी बहुत होती है। बाहरी मार्केट को एक्सप्लोर करने के साथ-साथ शॉपिंग भी कर सकते हैं। इसके अलावा मार्केट में आप स्थानीय भोजन से लेकर अन्य कई डिशेज को भी ट्राई कर सकते हैं। आपको बता दें कि शाम के समय इस मार्केट की रौनक सबसे अलग होती है। कपकोट शहर के बीच से बहने वाली यह नदी कपकोट को दो हिस्सों में विभाजित करती है। नदी के किनारे-किनारे टहलने का एक अलग मजा होता है। सरयू नदी के किनारे सुकून से बैठ सकते हैं। नदी में मछली पकड़ने का भी काम कर सकते हैं। मानसून के समय सरयू नदी और आसपास का इलाका बेहद



ही खूबसूरत और हसीन दिखाई देता है। मानसून में कई बार सरयू नदी बादलों से ढक जाती है। कपकोट का निकटतम हवाई अड्डा पंतनगर है, जो कपकोट से लगभग 206 किमी की दूरी पर है। ट्रेन से कपकोट का निकटतम रेलवे स्टेशन काटगोदाम है, जो कपकोट से लगभग 173 किमी की दूरी पर है।

टाइम पास

Today's horoscope section with 12 signs: Aries, Taurus, Gemini, Cancer, Leo, Virgo, Libra, Scorpio, Sagittarius, Capricorn, Aquarius, Pisces.

Kakuro puzzles: 'Kakuro Peheli - 3259' and 'Kakuro - 3258 ka hal'.

Hanshi ke Puktaren: 'Hanshi ke Puktaren' section with a word search puzzle.

Movie and TV schedule: 'फिल्म वर्ग पहली - 3259' and 'उपर से नीचे'.

Sudoku puzzles: 'Sudoku - 3259' and 'Sudoku - 3258 ka hal'.

Shabd Peheli - 3259: A word search puzzle.

Word search and other puzzles: 'बाएँ से दाएँ', 'ऊपर से नीचे', 'शब्द पहली - 3258 का हल'.

Trump, Harris poles apart on Indian govt's human rights policies

THE Indian foreign policy establishment is keenly following the twists and turns of the US presidential campaign. Despite the rise of China and, with it, the growing global importance of its top leader, it is the US President who holds, by far, the most important political office on the planet. The US President and his administration's decisions impact almost every country and issues of international significance, such as climate change. President Joe Biden had been his party's obvious candidate for this year's presidential election. There was no hint that this would change till Biden performed disastrously in the debate with his predecessor Donald Trump on June 27. Thereafter, a growing number of Democrats demanded Biden's replacement with another candidate because it became increasingly clear that he would lose the election. Yet, it took Biden more than three weeks to decide on giving up the candidacy. Finally, on July 21, he announced that he would not contest the election and endorsed Vice-President Kamala Harris as the party's candidate. The Democrats, in disarray, quickly rallied around her and the race is now between Trump and Harris. Opinion polls indicate that both are almost tied in the swing states, where this election will really be decided. Trump was generally leading Biden by substantial margins in the swing states by early summer. It was also becoming increasingly clear that the infirmities of age were telling on Biden. Hence, despite Trump's conviction in the Stormy Daniels hush money case in May, his candidature continued to remain strong. Would it then be wrong to assume that some influential voices in the Indian system, especially those with intimate professional knowledge and experience of US politics, had reached the conclusion by mid-June that it was more than likely that Trump would trump Biden in the polls. While the Ministry of External Affairs announced Prime Minister Narendra Modi's visit to Russia on July 4, it is believed that the dates for the visit were finalised around June 21. With Biden's debacle in the debate and his disinclination to give up his candidature, the impression that Trump would be the next US President would have been only strengthened before Modi's Russia visit. India has continuously exercised its strategic autonomy and displayed this from the beginning of Russia's invasion of Ukraine in February 2022. This has been evident through its increasing purchase of Russian oil. However, it is one matter to do this and quite another for Modi to visit Moscow. There would have obviously been comfort in doing so if the assessment was that Trump would be back in the White House in January next year. And, this was because it is known that his views on the Ukraine issue are, at least, till now, at great variance with Biden's. The race for the Oval Office has entirely changed with Harris as the Democratic Party's candidate. It can no longer be assumed that Trump will win the election. Hence, is Modi's proposed visit to Ukraine later this month a hedging exercise? Harris is likely to remain strong on Russia. This question also arises because of Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy's intemperate comments on Modi meeting Putin in Moscow. It is understood that Modi will also visit Poland along with Ukraine. Modi has been correctly insisting on the path of peace and diplomacy for a resolution of the Ukraine issue. But the conflict is hardly ready for a resolution. Though Modi's international reputation is strong, does India have the heft to play a role in matters of European security and bringing warring parties there together? This cruel question has to be faced squarely. At a basic level, India can successfully deal with Trump or Harris as the next incumbent of the White House.

REGIONAL stability in South Asia saw a marked improvement after Sheikh Hasina assumed power in Bangladesh in January 2009. Her cooperation with New Delhi in addressing insurgent and terrorist threats in India's northeastern states and the decisive action she took against Islamists in Bangladesh significantly enhanced the security situation in the region. Hasina's uninterrupted 15-year rule was largely marked by peace and tranquillity, which, in turn, spurred economic development in Bangladesh and bolstered regional cooperation. Several long-standing issues between India and Bangladesh were amicably resolved during her tenure, facilitating increased sub-regional collaboration, particularly as the regional organisation SAARC (South Asian Association for Regional Cooperation) remained largely ineffective. However, the dramatic collapse of law and order on August 4, which led to Hasina's ouster, can undermine these achievements and set back the progress made in both national and regional contexts. The trigger for the deterioration in the security situation was the resurfacing of student protests, resulting in around 100 deaths and injuries to hundreds. The police used tear gas and rubber bullets on protesters demanding Hasina's resignation. The government imposed an indefinite nationwide curfew and banned access to the Internet to quell the protests.

These demonstrations began in June, with student activists at Dhaka University agitating against a controversial quota system in government jobs that reserved 30 per cent of the positions for the family members of war veterans who had participated in the 1971 Liberation War. The protesters argued that the system was discriminatory and favoured Hasina's Awami League party; they demanded a merit-based system instead. The quota system, established in 1972, was briefly abolished in 2018 but later reinstated. It was abolished once again after nearly 200 students were killed by the security forces in July. The protests paused for a while after the Supreme Court scrapped/slashed quotas but resumed over the demand for justice for those killed. The stir evolved from being focused on the quota issue to a broader anti-government movement that witnessed the participation of people from diverse sections of society, including

celebrities and garment manufacturers. Support for the protests also grew among former military figures, including ex-army chief Gen Iqbal Karim Bhuiyan, who turned his Facebook profile picture red as a gesture of solidarity. This was significant as a large number of former army officers in Bangladesh have backgrounds in the Pakistani army. There were also allegations that the protesters were being used by the Opposition Bangladesh Nationalist Party and Jamaat-e-Islami for their own political goals. Amid the unrest, the army intervened to

attempted to use its student wing, the Bangladesh Chhatra League, against the protesters, forgetting that the student wing was not an auxiliary police force and should not attack fellow students. It was actually the forces aligned with the ruling party that initially caused the protests to degenerate into civil disorder.

The worsening situation in Bangladesh drew the attention of the United Nations (UN), which called for a cessation of violence, the release of detainees, the restoration of access to the Internet and a meaningful dialogue. India,

concerned about the situation but limited in its ability to intervene as it is an internal matter of Bangladesh, has advised its nationals to avoid travel within that country. New Delhi is also worried about the spillover of the unrest in Bangladesh, particularly in the states bordering the neighbouring country. The crisis has brought to the forefront the cumulative grievances of the citizens: rising prices of daily necessities, the pernicious influence of syndicates and unchecked corruption permeating almost every branch of the government. The people were also frustrated with the government's determination to suppress political opposition. The Bangladeshi economy has faced significant challenges of late, particularly a crisis of foreign currency. While the economy was performing well, citizens paid less attention to the democratic political space available to them. However,

as the economic situation began to deteriorate, concerns over jobs, employment and political freedom became increasingly important. The Hasina government exacerbated the crisis by mishandling the student protest movement, treating the agitators as political adversaries. The army chief announced that an interim government would take charge, promising that the military would stand down and investigate the deadly crackdown on protesters.

The Bangladeshi army is unlikely to remain at the helm for long, as it is a major beneficiary of the UN peacekeeping operations, and the UN does not encourage such an arrangement. As seen during the time of the caretaker government in 2007, the army prefers backseat driving, similar to the situation in Pakistan. However, for India, the bilateral relations will now depend on the new regime that emerges once the dust raised by the protests settles.



restore order. Army chief Gen Waker-Uz-Zaman had first directed officers to ensure peace. However, as the situation threatened to spiral out of control, the army took an ambiguous stance. On August 3, the army chief had addressed officers at the military headquarters in Dhaka, emphasising that "the Bangladesh army is the symbol of trust of the people." He assured them that the army would stand by the people and the state in times of need, but he did not clarify if the army supported the protests.

Though the peace and tranquillity during Hasina's rule brought economic prosperity to Bangladesh, she was accused of entrenching power by using state institutions and suppressing dissent. It was alleged that the Awami League, supposedly the people's party, had lost touch with the populace. These clashes were among the deadliest in the country's history of civil unrest. The Awami League

Protect the voiceless

Authoritarian govt gets its comeuppance

THE alarming increase in wildlife crime in northern India is a stark reminder of the ongoing battle between conservation efforts and illegal activities. Over the past five years, a staggering 683 wildlife crime cases have been reported across Uttar Pradesh, Uttarakhand, Himachal Pradesh, Rajasthan and Chandigarh. This data, obtained from the Wildlife Crime Control Bureau (WCCB), reveals the grim reality facing our nation's biodiversity. Uttar Pradesh, with 425 cases, and Uttarakhand, with 152, are the epicentres of these crimes, highlighting the severe threats to local wildlife. These cases include poaching, forest fires, encroachments and the smuggling of animal body parts. Notably, Himachal reported cases involving the trafficking of snow leopard skins and bear gall bladders, underscoring the diverse and valuable wildlife targeted by poachers.

While the WCCB's efforts, including cyber-patrolling and training enforcement officers, are commendable, they are not enough. The decline in cases in UP from 158



in 2019 to 19 in 2023 may suggest some progress, but it is also an indicator of the work that remains. The data points to the fact that while some states have seen a reduction, others continue to struggle, and emerging trends like the trafficking of exotic species at airports show that poachers are adapting and finding new ways to circumvent the law.

The urgency to address wildlife crime cannot be overstated. Protecting our wildlife is not just about preserving individual species; it's about maintaining the ecological balance and ensuring a sustainable future for all. This fight requires a multifaceted approach, including stricter enforcement, public awareness campaigns and robust international cooperation. If investigative and enforcement methods do not evolve and stay ahead of poaching syndicates, India's richly diverse ecosystems will suffer the consequences. We must safeguard the natural heritage for future generations.

Greater localisation is the key to equitable economic growth

INDIA does not have a growth problem: its GDP is growing faster than other countries. The problems of the Indian economy are its inequitable growth and the harm caused to the natural environment. India's policymakers must adopt new theories of growth.

In the prevalent theory of economic development, labour must move from agriculture into manufacturing, and then to services. Therefore, the productivity of agriculture must be improved with inputs provided by the industry (fertilisers, pesticides, machinery), and surplus labour moved into manufacturing. India's manufacturing sector is not able to provide enough employment to workers displaced from agriculture. This is the structural reason for large numbers in India remaining in agriculture. Economists measure the productivity of all sectors — agriculture, manufacturing, and services — by the amount of labour required to produce its output. The productivity of agriculture is improved by reducing the amount of human labour required to produce food from the soil, and substituting it with other technological inputs — machines, chemicals, etc. The productivity of manufacturing is improved by reducing human labour input, substituting it with technology; similarly for services. It is not the size of its GDP that determines whether a nation is more advanced than others: it is the per capita GDP that counts. Technology, including AI, can improve productivity in all sectors by increasing the output of human effort or eliminating it altogether. Economically advanced nations that have more financial capital can afford to use more technology than labour. The measure of productivity of Indian economic enterprises must be changed. More labour and less capital must be used for growth and improvement of the Indian economy's performance. Scale is a concept beloved by managers. Large-scale factories and farms, each specialising in the production of a single item or crop, enable the use of standardised machinery and inputs (chemicals, components, etc), also produced in large-scale factories, thereby reducing overall costs. However, large-scale production requires larger markets for every factory and

farm. Underutilised large factories and farms can be a waste of capital.

International trade expands markets for specialist producers, each producing what it does best. In trade theorist David Ricardo's example, the Portuguese should produce port wine and the British textiles, and trade with each other; rather than the British trying to grow grapes in their climate and the Portuguese learning to run mechanised textile mills. Global GDP is higher when each country produces only what it does best and imports the rest of its needs. Increased global trade with reductions in costs of transportation (containerised supply chains, giant ships and large cargo planes), along with a decline in trade barriers, has enabled faster globalisation and increased the global GDP in the last 30 years.

'Free market' economists say that a market is the most efficient way for fixing prices by matching supply with demand. A change in price also provides a signal to investors to adjust production capacities. This simplistic view of a market is blind to inequities in markets caused by unequal power between capital owners and the providers of perishable resources. Workers who have only their time and work to sell must be employed regularly, and paid on time, or their lives are wasted. Workers and farmers with perishable produce cannot withhold the sale to induce price rises, whereas their buyers can delay purchases and payments, compelling them to sell at a loss. With the expansion of global trade, the power of consumers over producers (workers and farmers) has increased. Buyers threaten to find lower cost sources in other countries if they cannot obtain lower prices from the current suppliers. Inequalities in incomes and wealth have been increasing between those



who earn their incomes and wealth from financial investments and workers and small farmers, even in advanced countries (unless farmers are heavily subsidised). Environmental scientist Vaclav Smil analyses the use of fossil fuels in the modern economy in How the World Really Works: A Scientist's Guide to Our Past, Present and Future. They are used in the production and distribution of four foundational materials for modern civilisation: steel, concrete, plastics and food. He evaluates the 'total system' requirements of fossil energy in the production of these.

Food is the most fundamental of these for human survival: more fundamental than steel, concrete and plastics. Food systems are also the largest users of fossil fuel-based

inputs. Fertilisers are produced from fossil-fuel feedstock. Farm machinery is made of steel and runs on fossil fuels. Plastics are used for hygienic transportation of food in global supply chains. Fossil fuel-based solutions became integral for increasing the scale of food production and distribution for meeting the needs of the human population, which increased in the last 100 years from two billion to eight billion (1.4 billion in India). The world does not have a problem with the overall quantity of food produced any more. The problem is the inequitable distribution and wastage of food. Smil calculates the benefits of locally circular, organic multi-cropping systems. He says they could be the solution for the world. He wonders though: "Could we return to purely organic cropping, relying on recycled organic wastes and natural pest controls, and could we do without engine-powered irrigation and without field machinery by bringing back draft animals? We could, but purely organic farming would require most of us to abandon cities, resettle villages, dismantle central animal feeding operations, and bring all animals back to farms to use them for labour and as sources of manure.

Are we prepared to do this?" The solution for the twin problems of environmental degradation and inequitable economic growth is less globalisation and more localisation. About 64 per cent of the people in India live in rural areas (36 per cent in China, 17 per cent in the US). They mostly work on farms and in small industries in rural areas, not in large factories that use automated equipment. Rather than trying to catch up with rich countries on their historical development paths, India should take advantage of its present realities. Local, systemic, small-scale agricultural solutions, and small industries, cooperatively managed by communities in their own villages and towns,

Tata Motors shares gain 2% in intraday trade. Here's why

NEW DELHI. Shares of Tata Motors rose in intraday trade after Moody's upgraded the company's corporate family rating (CFR) to Ba1 from Ba3, maintaining a positive outlook on all other ratings. Tata Motors shares were up 1.75% at Rs 1,043.15 on the Bombay Stock Exchange at 11:53 am, and the company's market capitalisation rose to Rs 3.83 lakh crore. While the stock is down nearly 6% in the past five trading sessions, it has gained 32% in this calendar year and nearly 72% in a year. It may be noted that Moody's also upgraded Tata Motors' senior unsecured instruments' ratings to Ba1 from Ba3 while maintaining a positive outlook. For the first quarter of 2024-25, Tata Motors reported a 74% year-on-year increase in consolidated profit after tax (PAT) to Rs 5,566 crore, compared to Rs 3,203 crore in the same quarter last year.

Revenue from operations for the April-June quarter rose by 5.7% to over Rs 1.07 lakh crore.

RBI MPC: Real GDP growth projection for FY25 retained at 7.2%

New Delhi The Reserve Bank of India's Monetary Policy Committee (MPC) has maintained its projection for India's real GDP growth at 7.2% for FY25, despite moderating the outlook for the first quarter, Governor Shaktikanta Das announced on Thursday. Domestic economic activity remains resilient. The steady progress of the southwest monsoon, higher cumulative Kharif sowing, and improving reservoir levels bode well for Kharif output. Manufacturing activity continues to gain momentum, supported by improving domestic demand," Das said while announcing the MPC's decision to keep the benchmark rates unchanged at 6.5%. While the forecasts for FY25's second, third, and fourth quarters were left unchanged, the projection for the first quarter was reduced to 7.1%. In its June 2024 meeting, the MPC had projected India's GDP growth at 7.2% for FY25, with quarterly growth rates of 7.3%, 7.2%, 7.3%, and 7.2%. The Indian economy grew at 8.2% in FY24.

However, the Economic Survey released in July 2024 ahead of the Union Budget forecasted a more conservative growth rate of 6.5-7% for the current financial year, citing global uncertainties and domestic



challenges. Prominent global rating agencies like the IMF and ADB have projected growth at 7%.

The Survey said, "...the Survey conservatively projects a real GDP growth of 6.5-7%, with risks evenly balanced, cognizant of the fact that market expectations are on the higher side." A normal rainfall forecast by the India Meteorological Department and the satisfactory spread of the southwest monsoon so far are expected to improve agricultural sector performance and support the revival of rural demand. The Economic Survey also highlighted a bright outlook for India's financial sector but emphasized the need to remain vigilant about vulnerabilities, warning that India cannot afford over-financialization at this stage.

On successful trajectory to profitability: Akasa Air



NEW DELHI. Akasa Air is hopeful of becoming one of the top 30 airlines in the world by the turn of this decade, the airline said on Wednesday as it completed two years of operations. Akasa also said it is on a successful trajectory towards profitability and expects seat capacity to rise 50% on an annual basis this fiscal year. "Akasa's unwavering commitment to cost leadership, supported by operational and financial discipline, has set the airline on a successful trajectory toward profitability. In the last fiscal year, Akasa achieved a 300% growth in available seat kilometres (ASKM), setting a new record for airline growth that surpasses 122 years of global history," the airline said. It added, "With the strong financial foundation the airline has built, it anticipates a year-on-year increase of 50% in its available seat kilometres."

The airline, which now has a market share of less than 5% in the domestic market, operated its first commercial flight on 07 August 2022 from Mumbai to Ahmedabad. Akasa now operates over 900 weekly flights across 22 domestic and five international destinations, achieving the milestone of serving over 11 million passengers in two years. In January 2024, the airline announced a firm order of 150 aircraft to support its expansion plans. In March 2024, it became the first Indian airline to fly overseas in a record period of 19 months. Vinay Dube, founder & CEO, Akasa Air, said, "In this past year, we have been India's leader in on-time performance while registering greater operational reliability, and lowest customer complaints, and cancellations in the industry."

Adani Enterprises to raise Rs 12K cr via QIP

Share sale will lead to 2.75-3.3% dilution of promoters' stake in the company



NEW DELHI. The flagship Gautam Adani Group firm -- Adani Enterprises Ltd (AEL) -- will be testing waters in the equity market for the first time since its aborted follow-on offer in February 2023. The company is planning to raise Rs 10,000-Rs 12,000 crore via qualified institutional placement (QIP) as early as September this year. Sources close to the development confirmed the plans of Adani Enterprises. As per sources, top banks like State Bank of India (SBI), ICICI Bank and HDFC Bank are likely to participate in the QIP. Some foreign banks including Jefferies are likely to participate in the current round of the fundraising. Last year, it had to scrap its

Rs 20,000 crore follow-on offer after the Hindenburg report was released on 24 January 2024. The report had levelled serious allegations of price rigging and insider trading, among others, on Adani group. AEL in May this year has decided to enter the capital market again with Rs 16,600 crore

equity fundraising plan to fund its growth plans. QIPs are an easier way of raising money through sale of shares to institutional investors. The share sale by Adani Enterprises may lead to 2.75-3.3% dilution of promoters' shares. Currently, promoters hold 74.92% in Adani

Enterprises. After the company had to cancel its FPO plans in February 2024, the US-based GQG Partners had come to its rescue and bought shares worth Rs 15,500 crore in four Adani Group companies including Adani Enterprises. Adani Enterprises houses energy & utility, infrastructure (including airports), minerals, metals and mining and direct-to-consumer businesses. AEL has a market cap of Rs 3.6 lakh crore. Its shares were trading at Rs 3,186 a piece, still 21% below its all-time high of Rs 4,019 prices achieved in November 2022. It has debt of Rs 56,664 crore as of June 30, 2024, up from Rs 50,124 crore at the end of March quarter. It has been able to improve its net debt/EBIDTA ratio from the high of 5.2 times at the end of FY22 to 2.1 times at the end of first quarter of FY25. Recently, Adani Energy Solutions (AESL) raised Rs 8,373 crore via QIP route. This marks AESL's first equity raise in capital market since its demerger and listing from Adani Enterprises Limited in July 2015.

UPI transaction limit raised to Rs 5 lakh for tax payments

New Delhi The Reserve Bank of India (RBI) announced an increase in the transaction limit for tax payments through the Unified Payments Interface (UPI) on Thursday. The new limit is set at Rs 5 lakh, up from the previous cap of Rs 1 lakh. The increase in limit aims to simplify and facilitate higher-value tax transactions for consumers. RBI Governor Shaktikanta Das said, "Currently, the transaction limit for UPI is Rs 1 lakh except for certain categories of payments that have higher limits. We have decided to enhance the limit for tax payments through UPI to Rs 5 lakh per transaction. This will make it easier for consumers to make tax payments using UPI." The current UPI limit, set at Rs 1 lakh, has been periodically reviewed and adjusted for different types of transactions, including capital markets, IPO subscriptions, loan collections, insurance, medical, and educational services. With the new change, tax payments, which are frequent and often high in value, can now benefit from this increased limit. In addition to the higher transaction limit, the RBI introduced a new UPI feature called 'Delegated Payments'. This feature allows a primary user to authorise another



individual, known as a secondary user, to carry out UPI transactions up to a specified limit from the primary user's bank account. The secondary user does not need a separate UPI-linked bank account. This feature is expected to boost the adoption of digital payments by making it more convenient. Governor Das also announced that the repo rate would remain unchanged at 6.5%. Alongside this, the RBI revealed several measures to enhance the digital lending ecosystem. One of these measures includes creating a public repository under a regulated entity to ensure accurate credit information. Lenders are now required to report credit information to Credit Information Companies (CIC) every two weeks, which will provide borrowers with faster updates. Furthermore, the RBI is

reducing the cheque clearing cycle from two working days to just a few hours, which will speed up the process significantly. Despite the unchanged repo rate, inflation continues to be a concern. The inflation rate rose to 5.08% in June, exceeding the RBI's target of 4%. This rise, particularly in food prices, has complicated the possibility of rate cuts. Governor Das emphasised that price stability is essential for sustained economic growth and that monetary policy must remain focused on controlling inflation. Following the RBI's announcement, there was a noticeable reaction in the financial markets. India's bond market saw a decline, with the 10-year yield increasing by 2 basis points to 6.88%. The rupee's value remained stable, but the benchmark NSE Nifty 50 Index fell by up to 0.7%. This policy decision comes amid global market volatility, influenced by recent actions from central banks in advanced economies. The Bank of England reduced interest rates last week, and there is increasing pressure on the Federal Reserve to lower rates to support the economy.

RBI proposes to reduce cheque clearance time to a few hours

New Delhi. The Reserve Bank of India (RBI) has announced a major change in the cheque-clearing process.

RBI Governor Shaktikanta Das announced this new initiative during the Monetary Policy Committee (MPC) meeting announcement. The new system aims to cut the time needed for cheque clearing from the current two-day period to just a few hours. "Cheque Truncation System (CTS) currently processes cheques with a clearing cycle of up to two working days. To improve the efficiency of cheque clearing and reduce settlement risk for participants, and to enhance customer experience, it is proposed to transition CTS from the current approach of batch processing to continuous clearing with 'on-realisation-settlement'. Cheques will be scanned, presented, and passed in a few hours and on a continuous basis during business hours. The clearing cycle will reduce from the present T+1 days to a few hours," said a RBI press release. Governor Shaktikanta Das explained that the updated system is designed to simplify and speed up the cheque-clearing process. This move addresses long-standing delays in fund transfers and aims to make transactions more efficient overall. "At present, cheque clearing through Cheque Truncation System (CTS) operates in a batch processing mode and has a clearing cycle of up to two working days. It is proposed to reduce the clearing cycle by introducing continuous clearing with 'on-realisation-settlement' in CTS. This means that cheques will be cleared within a few hours on the day of presentation. This will speed up cheque payments and benefit both the payer and the payee," said the RBI Governor. With this new system, account holders can expect faster processing of cheque-based transactions. This change will allow funds to be credited more quickly, which is beneficial for urgent payments and better financial planning. Both individuals and businesses will see improved liquidity and a more efficient banking experience. The Reserve Bank of India's (RBI) Monetary Policy Committee (MPC) opted to maintain the key repo rate at 6.5%, continuing its focus on the 'withdrawal of accommodation'. This marks the ninth consecutive meeting in which the central bank's six-member MPC has decided to keep the key policy rates unchanged.

RBI Governor Shaktikanta Das said four members of the 6-member MPC voted in favour of keeping the policy repo rate unchanged at 6.5%.

Gold, silver price : Precious metals record hike on MCX

New Delhi Both gold and silver prices recorded a hike on the Multi Commodity Exchange (MCX) on Thursday, August 8, 2024. Gold futures, maturing on October 4, 2024, stood at Rs 69,000 per 10 grams on the MCX, after recording a jump of Rs 35 or 0.05 per cent. The previous close was recorded at Rs 68,965. Meanwhile, silver futures, maturing on September 5, 2024, witnessed a marginal hike of Rs 248 or 0.31 per cent and were retailing at Rs 79,148 per kg on the MCX against the previous close of Rs 78,900. The gold and silver prices in India depend on several factors, including the value of the rupee against



the dollar. Global demand also plays a key role in determining the trends observed in the rate of precious metals. **GOLD, SILVER PRICES IN INTERNATIONAL MARKET**

Prices of safe-haven gold edged higher on Thursday, supported by Middle East tensions and optimism surrounding U.S. rate cuts, while traders awaited economic data for clues on the Federal Reserve's policy trajectory, news agency Reuters reported. According to the latest metal report, spot gold rose 0.3 per cent at \$2,389.42 per ounce by 0331 GMT, while, U.S. gold futures dipped 0.2 per cent to \$2,428.40. Among other precious metals, spot silver rose nearly 1 per cent to \$26.84 per ounce.

RBI retains FY25 inflation projection at 4.5%, warns against 'food price shocks'

RBI Governor Shaktikanta Das stressed the need for vigilance to prevent the spillover effects of persistent food inflation and to preserve the gains made in monetary policy credibility.

New Delhi. The Reserve Bank of India (RBI) has maintained its inflation forecast for the current fiscal year at 4.5%, despite ongoing concerns about food prices and geopolitical tensions that could impact crude oil prices. RBI Governor Shaktikanta Das stressed the need for vigilance to prevent the spillover effects of persistent food inflation and to preserve the gains made in monetary policy credibility. The central bank has now projected inflation for the second, third, and fourth quarters of FY25 at 4.4%, 4.7%, and 4.3%, respectively. In its June policy, the inflation forecasts were slightly lower at 3.8%, 4.6%, and 4.5%, respectively. Inflation stood at

4.9% in the first quarter of FY25. Additionally, the RBI has provided its inflation forecast for the first quarter of the next fiscal year, pegging it at 4.4%.

Das mentioned that while the Monetary Policy Committee (MPC) might overlook temporary spikes in food inflation, it cannot afford to do so if the inflation persists. The RBI Governor said the MPC remains focused on inflation and supporting price stability to ensure growth, highlighting that inflation is moderating, but the pace is slow. Kapil Gupta, Executive Director- Research, Nuvama Institutional Equities, said, "The RBI policy was largely a status quo policy, both on rates and stance. Policymakers remain comfortable with the evolving growth trajectory and emphasized that RBI remains resolute in aligning headline inflation to the target of 4% on a durable basis." "While core inflation is benign, the stubborn food inflation poses the risk of second round effects and there requires constant vigil.



Thus, policymakers are in no rush to lower their guard as of now. Trajectory of domestic food inflation and evolving path of the Fed rate are the key monitorables in the near-term," he added.

RBI MPC policy rate decision

With a four-to-two majority, the RBI's Monetary Policy Committee decided to keep the repo rate unchanged at 6.5% for the ninth consecutive time. The decision comes amid speculation that the Federal Reserve may cut rates in September due to weak jobs data, raising concerns about a potential recession in the world's largest economy. However, Das reiterated the RBI's stance of not mirroring developed

world policies and basing decisions on domestic factors like recent bountiful rains and other local conditions. Das noted that while India's growth remains robust and core inflation has moderated to historic lows, fuel group disinflation could reverse in the coming quarters due to the base effect wearing out. He acknowledged that high food price momentum likely continued in July, slowing the disinflation process in the first quarter of FY25. The MPC must carefully consider the impact of food inflation, given its significant role in overall inflation. Experts have highlighted that higher food inflation could prevent overall inflation from declining significantly. The cost of key vegetables like onions, tomatoes, and potatoes has risen, with a Crisil analysis indicating that the cost of a vegetarian thali in India increased by 11% sequentially in July. Concerns about weather variations impacting inflation and economic stability persist.

Himachal Pradesh cloudburst death toll mounts to 22, over 100 roads closed

New Delhi: The death toll from cloudburst-triggered flash floods in Himachal Pradesh has reached 22, with rescue operations ongoing to find over 30 missing people. The flash floods were reported in Kullu's Nirmand, Sainj and Malana, Mandi's Padhar and Shimla's Rampur. The worst hit was Samej village in Rampur subdivision, where about 25 people went missing. Nine bodies have been recovered from Mandi's Rajbhan village, three from Nirmand and Bagipul in Kullu district and 10 from Samej and surrounding areas of Dhadkol, Bro and Sunni Dam in Shimla district.

Twelve out of the 22 bodies have been identified so far and DNA samples for others are being taken for identification of the bodies. Incessant rain in the state has caused landslides and the closing of over 100 roads in Himachal Pradesh.

A total of 109 roads, including 37 in Mandi, 29 in Shimla, 26 in Kullu, six in Kangra, four each in Kinnaur and Lahaul and

Spiti, two in Sirmaur and one in Hamirpur, are closed while 58 transformers and 15 water supply schemes are disrupted, as per the state emergency operation centre. Furthermore, as the rains continued to pound the region, the local meteorological office issued an orange alert of heavy to very heavy rainfall, thunderstorm and lightning at isolated places in the state for Saturday. The weather office has also cautioned of low to moderate flash flood risk in isolated parts of Kangra, Sirmaur, Chamba, Shimla, Kullu, Kinnaur, Solan and Mandi districts in the next 24 hours. The Met also said that monsoon activity is likely to intensify in the next five to six days with fairly widespread rains. Over 650 rescuers from teams of the Army, NDRF, SDRF, ITBP, CISF, Himachal Pradesh Police and home guards are involved in the search and rescuers have intensified the search operation by

deploying more machinery, sniffer dog squads, drones and other equipment. Chief of Defence Staff Anil Chauhan said that the Army has intensified its rescue operations. "In response to the devastating cloudburst that struck Samej Village in Shimla, Himachal Pradesh, extensive rescue operations are currently in progress. The civilian administration has deployed 10 heavy-duty excavators to aid in the efforts. Additionally, the Army has deployed two drones to assist in the search and rescue operations. Medical assistance has been provided to 65 patients affected by the disaster. Tragically, one body was recovered near the Lunhari area in the Sutlej River by the state administration," he said. A total of 94 people were killed in rain-related incidents between June 27 and August 7 and the state suffered losses amounting to Rs 787 crore, according to the officials.



Bulldozer action on UP salon where barber massaged customer's face with spit

NEW DELHI: District administration officials in Uttar Pradesh's Kannauj demolished a salon where a barber was caught on camera applying his spit while massaging a customer's face. The barber, Yusuf, was arrested after a video of him capturing the disgusting act went viral on social media. It is being said that the salon that was built was an illegal encroachment.



In the video, Yusuf, is seen applying cream and massaging the face of a customer, whose eyes are closed. Taking advantage of the situation, the accused is seen spitting on his left hand and applying his spit to the customer's face, who is unaware of the barber's

act. After he commits the act, Yusuf is seen giving a thumbs up in the video while the customer opens his eyes and also gives a thumbs up while smiling. The video went viral, Vishwa Hindu Parishad (VHP) activists staged a protest against Yusuf and demanded strict action against him.

Top Court To Hear Petition Seeking Postponement Of NEET-PG 2024 Today

New Delhi: The Supreme Court said on Thursday that it will hear the petition tomorrow seeking to reschedule the NEET-PG 2024 due to the allocation of "highly inconvenient" exam centres and concerns about the normalisation of marks. Advocate Anas Tanwir, who is appearing for the petitioners, has mentioned the plea before the bench led by the Chief Justice of India DY Chandrachud and sought an urgent listing of it. CJI Chandrachud assured that the matter will be listed for hearing tomorrow. NEET-PG 2024 is scheduled to be held on August 11.

The candidates have approached the Supreme Court and preferred seeking directions to the respondents to reschedule the NEET-PG 2024 Examination on the ground that the petitioners and many similarly placed candidates have been allocated cities that are highly inconvenient for them to reach, further seeking details of the formula for normalisation of the four sets of question papers, and seeking clarity on ensuring that the normalisation formula is disclosed to the candidates, thereby eliminating any possibility of arbitrariness in the process.

The petitioners said that the allocation of test cities was made on July 31 and the specific centres are scheduled to be declared on August 8. The petitioner, while appreciating that the same has been done to curb any malpractice in the examinations, however, given such short notice, it has become highly difficult for students to make arrangements for their travel to their specific cities. The petitioners submitted that more than two lakh students are scheduled to appear in the examination. The examination is scheduled to be held in 185 test cities, therefore resulting in the non-availability of train tickets as well as the hiking of airfares due to dynamic pricing, thereby making it almost impossible for a large number of students to reach their test centres, the petition said. The petition further submitted that the respondent had announced the date of the examination will be on August 11 and that it would be conducted in two batches. "The fact that the examinations will be conducted in two batches and that the formula for normalisation is unknown to the candidates thereby causing an apprehension to the petitioners herein. There is a likelihood that one batch of candidates may face a more difficult question paper than the other batch.

Chief of Defence Staff raises concerns over border tensions with China, Pakistan

NEW DELHI: Chief of Defence Staff of the Indian Armed Forces, Anil Chauhan, has said the unrest in Bangladesh is concerning. In the wake of the regime change in Bangladesh, the CDS said tensions on borders with other countries are already prevailing. "India has its own share of security challenges, we have a proxy war waged by Pakistan in Jammu and Kashmir, a sudden escalation of which is now being seen in Pir Panjal Range," CDS Anil Chauhan said while speaking at a conference on Military Ammunition in Delhi.

"The prolonged border dispute with China is yet to abate," he added. "There are two major security challenges that we are facing, the instability in our neighbourhood is another cause of concern for us. For a large nation like India, with plenitudes of security

problems, it cannot remain dependent on foreign imports of war fighting and sustenance, especially in an environment where global security and government are in a state of flux," the



CDS said. **MUHAMMAD YUNUS TO TAKE OATH AS HEAD OF INTERIM GOVERNMENT IN BANGLADESH**
Nobel laureate Muhammad Yunus is set

to take oath as the head of Bangladesh's interim government on Thursday, as he made a fervent appeal to everyone to stay calm and "refrain from all kinds of violence" to make the best use of "our new victory". As authorities scrambled to bring the law and order situation under control, Army chief Gen Waker-Uz-Zaman on Wednesday announced that the interim government will take oath around 8 pm on Thursday. He said the advisory council may have 15 members.

Gen Zaman further said THAT the armed forces will provide all possible support to 84-year-old Yunus after Sheikh Hasina resigned as prime minister and fled the country following violent anti-government protests spearheaded by the Students Against Discrimination movement.

Muslim women in waqf boards, central council: Key features of Waqf bill

NEW DELHI: The Waqf (Amendment) Bill, the first major legislation set to be introduced by the Modi 3.0 government, has stirred a hornet's nest among Muslim organisations and the opposition. The bill, which aims to streamline the manner of registration of waqf properties through a central portal, was tabled by the government in Parliament on Thursday. The bill proposes renaming the Waqf Act, 1995, as the Unified Waqf Management, Empowerment, Efficiency and Development Act.

BUT, WHAT IS WAQF?

In simple terms, waqf refers to any property dedicated solely for religious or charitable purposes under Islamic law. Once a property is declared waqf, it becomes irrevocable. The amendments to the bill aim to tackle this issue. Around 30 waqf boards in the country control properties spread over 9 lakh acres, with an estimated value of Rs 1.2 lakh crore. This makes the waqf boards the third-largest owner of land in India after the Railways and Defence Ministry.

WAQF (AMENDMENT) BILL KEY FEATURES

Among key proposals include the formation of a Central Waqf Council and state Waqf Boards, which would have representation of Muslim women and non-Muslims. As per the bill, two women will be appointed in all state boards as well as the central council.

The bill aims to make the District Collector the arbiter on whether a property is waqf property or government land. In the 1995 Act, such decisions are taken by the Waqf Tribunal. There have been allegations of this power being misused by vested interests for grabbing property.

It also proposes the creation of a separate Board of Auqaf for the Boharas and Aghakhans. The draft law also provides for the representation of Shias, Sunnis, Bohras, Aghakhans in the waqf boards. Moreover, the legislation aims to give the Centre the power to direct the audit of any waqf by an auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India.

The bill mandates the requirement of a valid waqfnama, which basically is a deed or a document through which a person expresses an intention to donate a property. The existing law allows a person to give a property as waqf through an oral agreement.

Opposition MPs Protest Outside Parliament Against Rising Vegetable Prices

New Delhi: MPs from different political parties in the opposition held a protest against the price rise of onions and other vegetables, outside the parliament on Thursday. As a mark of protest, MPs also wear garlands made of onion as they raise the slogan 'pyaaj ka daam kam karo...' launching a scathing attack against the centre led by Prime Minister Narendra Modi, RJD MP Manoj Jha said, "Legal guarantee on MSP is a huge issue. A govt which gives an account of expenses made on athletes in Parliament...It has no shame...An account should be given of how much taxpayer's money is spent on the PM and the Cabinet ministers."

Shiv Sena (UBT) MP Priyanka Chaturvedi said that onion farmers in Maharashtra are permitted to export their produce while onion farmers in

Gujarat are allowed to. "Farmers are demanding that a government which promised to double farmers' income



should at least give MSP. Maharashtra onion farmers are not allowed to export their produce, while onion farmers in Gujarat are allowed to. Our protest is against this," said Chaturvedi. Meanwhile, the BJP-led government is slated to introduce the

Delhi coaching deaths: Probe says owners responsible, misuse of basement

New Delhi: A magisterial probe conducted in the Delhi coaching centre incident that claimed the lives of three UPSC aspirants has accused the officials of MCD's building and work department of allowing Rau's IAS Study Circle to operate a library in the basement without any proper drainage facility. In the report submitted to the Revenue Department on Wednesday, the probe stated that the "owners and management of RAU's IAS Study Circle were also responsible for the criminal negligence by indulging in dangerous misuse of the basement without regard to the lives of the students." The probe revealed that the "violation of rules" in the building was noticed before the July 27 incident by officials of MCD and the Fire Department. However, they took no action against the owner.

The report highlighted that the building where the coaching centre was housed had permissions for "office/business" use, for which no fire "NOC" was required. However, as it was used for



"educational purposes," the building required a "No Objection Certificate" from the fire department. Earlier in 2023, following a fire engulfing a coaching centre in Mukherjee Nagar, the civic body issued a notice citing "misuse" of property. "The failure to seal the basement after the issue of the misuse

notice and not even mentioning the same in the show cause notice and misleading the deputy commissioner of the factual field position of misuse appears to be deliberate misconduct with malafide intentions on the part of the concerned engineers of the building department of MCD," the report was quoted by news

agency PTI in its report.

The Fire Department also neglected to report the "misuse" of the building's basement as a library to the MCD during an inspection on July 1 this year, it said. "The fire department should not have granted a fire safety certificate dated 9.7.2024 concealing the misuse of the basement as a library in violation of the building by-laws provisions of MPD-2021. This is a serious lapse on the part of the fire services inspection team," the report noted. It also accused MCD officials of encroachment on stormwater and a lack of desilting.

The report mentioned that the drains in the area had not been desilted for the past five years, in spite of being prone to waterlogging because of their low-lying location. Delhi's Revenue Minister ordered a magisterial probe, and the preliminary report in this regard was submitted on July 29. The Central Bureau of Investigation (CBI) has taken over the case following the Delhi High Court's August 2 order.

NEWS BOX

US auto workers union chief calls Trump 'sellout' over ties with Elon Musk

Detroit. United Auto Workers President Shawn Fain on Wednesday criticized Republican presidential candidate Donald Trump's ties to billionaire Elon Musk while campaigning for Democratic Vice President Kamala Harris. Musk endorsed Trump for November's election after the former president survived an assassination attempt in July. Later that month, the Wall Street Journal reported Musk planned to commit around \$45 million a month to a new pro-Trump super political-action committee. However, after that report's publication, both Musk and Trump said the Tesla CEO never pledged any such donation. For months, Donald Trump has gone around trashing our state, trashing our industry, trashing the American autoworker, saying he was against electric vehicles. And then something happened," Fain said on Wednesday while campaigning for Harris.

We saw Elon Musk announce he was going to give Donald Trump \$45 million dollars a month. And all of a sudden, guess what, Trump changed his tune," Fain added, calling Trump a "sellout." Trump has opposed any electric car mandate and been critical of EV policies under Democratic President Joe Biden but he has said recently he supports electric vehicles. "I'm for electric cars. I have to be, because Elon endorsed me very strongly. So I have no choice." Trump said at a weekend rally, but added he supports electric vehicles "for a small slice." He went on to add: "You want to have gas-propelled cars, you want to have hybrids, you want to have every kind of a car imaginable." UAW has endorsed Harris, who became the Democratic presidential candidate recently after Biden stepped aside as candidate.

UK Muslim ice cream vendor's sweet gesture, gives out free cones to riot police

London. A British Muslim social media star who travels around the country in his ice cream van has thanked police officers trying to control racist and anti-immigration riots by handing out free cones. Mr Tee, King of Desserts, posted a TikTok video taken in the English city of Sunderland that amassed over 2.6 million views, in which he offered a police van full of officers ice creams, with the theme tune to 1980s hit TV show 'The A-Team' blaring. "We just thought we'd show them a little bit of love," Mr Tee, whose real name is Ashiq, told Reuters. The two-minute clip - in which one policeman asked for a special birthday ice cream for a colleague - struck a chord with the British public, the vast majority of whom think the riots are unjustified, according to a recent YouGov poll.

"This is brill - remember under the uniforms there is a dad, husband, uncle brother, human," said commenter sayithowitis1970. Riots have erupted at anti-immigration protests in towns and cities across the UK in the last week, with attacks by far-right groups on hotels housing asylum seekers and on mosques. Mr Tee said most of the praise for his video came from non-Muslims who value their community. "It's just a very small minority that are unfortunately (not) feeling in this way," Mr Tee said. Based in the northern Welsh town of Wrexham, Mr Tee said he would take a week off to let the tensions around the country die down. "Some people are scared to leave the house, ladies especially, they don't want to be seen walking about with their hijabs," he said. But Mr Tee pointed to the reaction to his video as a reason for hope.

"It just showed the genuine true colours of the UK and the people that live here, and obviously the welcoming side of the people here," he said.

France seeks FBI's help in probe of train sabotage before Paris Olympics: Report

Paris Police in France investigating the sabotage of high-speed rail lines hours before the Paris Olympics's opening ceremony have asked the US's FBI for help, two sources with direct knowledge of the French inquiry said. Investigators called in the FBI after media organisations, including Reuters, received an email the police believe may have been sent by the perpetrators. It set out a rambling list of grievances but did not explicitly claim responsibility.

The email, signed by "an unexpected delegation", was sent from a riseup.net address, a Seattle-based collective that says it provides "communication and computer resources to allies engaged in struggles against capitalism and other forms of oppression". The saboteurs targeted four high-speed TGV lines heading into Paris with incendiary devices, causing travel chaos hours before a global audience tuned in to follow the parade of Olympic athletes along the River Seine on July 26.

There have been no arrests. French officials suspect domestic far-left groups, but have not ruled out foreign involvement. As riseup.net is US-based, French police have asked the FBI to push that organisation to identify the email account-holder, the two sources told Reuters. The FBI declined to comment. Riseup did not respond to an emailed request for comment. The FBI would need to subpoena Riseup to hand over the details, but Riseup would be unlikely to comply. We will actively fight any attempt to subpoena or otherwise acquire any user information," it says on its website. "We do not share any of our user data with anyone." In a 2020 interview with Belarusian anarchist group Pramen, Riseup said it had never complied with a foreign legal request. "We regularly get legal requests from all around the world. We are not required to respond, and so our policy is to not." However, the FBI has previously served warrants on Riseup.

In 2012, FBI agents seized a server used by Riseup as part of a probe into bomb threats. In 2017, Riseup begrudgingly complied with two FBI warrants seeking the identity of accounts involved in extortion. The author of the email railed against France's arms, energy and nuclear sectors, and criticised a TGV network as only benefiting "a few privileged people". They said the impact of the attacks - "spoiling tourists' trips or disrupting holiday departures" - was minimal when compared with the legacy.

Kamala Harris shuts down Gaza protesters: If you want Trump to win, say that

Pro-Palestinian protesters chant 'genocide' slogans at Kamala Harris's rally
Kamala Harris gives blunt warning to protesters for repeatedly interrupting her
Gaza war launched by Israel last October claims nearly 40,000 lives so far



World US Vice President Kamala Harris, the Democratic presidential nominee, on Wednesday (local time) criticised a group of people who interrupted her while they were protesting against the war in Gaza. Harris, visibly irritated, fired back at the protesters, saying they should either say they wanted former President Donald Trump to win or listen to her speaking. While addressing a rally in Romulus in

Michigan, protesters repeatedly chanted "genocide" slogans at the Vice President as a mark of protest against Israel's war on Gaza, now into its tenth month, The Hill reported. "Kamala, Kamala you can't hide, we won't vote for genocide," the protesters said and booed at her. Reacting to the protesters' interruption, she said, "I'm here because we believe in democracy. Everyone's voice matters,

but I am speaking now. I am speaking now," Harris said amid cheers from her supporters. As Gaza protesters continued to interrupt her speech, Harris took aim at them. "You know what, if you want Donald Trump to win, then say that. Otherwise, I'm speaking," she said, drawing cheers from the crowd. The protesters were escorted out of Harris's rally as they continued protesting and

raising slogans. The Gaza war is a major issue in Michigan, a battleground state which has a high Arab-American population. Harris, as a member of President Joe Biden's administration, has come under fire for not doing enough to help civilians in the war-ravaged coastal enclave. A section of Democrats have expressed concerns that the Biden administration's handling of the Gaza war could cost them votes in the November 5 election, The Hill reported. Michigan, which has 15 electoral votes, was carried by Biden in the 2020 election. Like Biden, Harris has vowed ironclad support for Israel but has also stressed that it also mattered how the Jewish nation carried out its military response against Hamas. She also raised the high civilian casualties, calling it "devastating" and said she could be silent on seeing the sufferings of the people there. Nearly 40,000 people have died since Israel launched a full-fledged attack against Hamas in Gaza after the Palestinian outfit attacked the Jewish nation and took some 250 hostages on October 7 last year, which triggered.

Indian-American Congressman condemns Bangladesh violence, targeting of Hindus

Congressman Raja Krishnamoorthi and Democratic Leader Hakeem Jeffries condemned recent violence in Bangladesh, urging the interim government led by Muhammad Yunus to end unrest and ensure justice.

New York. Indian-American Congressman, Raja Krishnamoorthi, has condemned the recent violence in Bangladesh, including the brutal targeting of Hindus, saying an interim government that will be sworn in should end the unrest across the country and bring its perpetrators to justice. An interim government led by Nobel laureate Muhammad Yunus is set to take oath in Bangladesh on Thursday.

"As Bangladesh prepares to swear in its interim government, I urge all government officials, the new administration and police chief, and the people of Bangladesh to do all they can to end the violence that has emerged across the country, including



the brutal targeting of the country's Hindu minority, their homes, businesses, and their temples," Krishnamoorthi said in a statement on Wednesday. He said the violence must stop and those responsible must be

brought to justice to help the people of Bangladesh move forward as a nation. He added that he will continue to closely monitor developments in Bangladesh in coordination with the US State Department. Democratic Leader Hakeem Jeffries said that he is deeply concerned and saddened by the violence, casualties and human rights abuses in Bangladesh over the past weeks. Jeffries noted that Bangladesh's new leadership must bring with them respect for democratic principles and the rule of law and a commitment to investigating the attacks, calling for accountability for those responsible and demanding justice for the victims.

"Under the leadership of the Biden-Harris administration, the United States will continue to closely monitor the situation unfolding and we encourage all parties to refrain from further violence," he said.

Deforestation in Brazil's Amazon rainforest dips to lowest level in 8 years

Brasilia. Deforestation in Brazil's Amazon rainforest slowed by nearly half compared to the year before, according to government satellite data released Wednesday. It's the largest reduction since 2016, when officials began using the current method of measurement. In the past 12 months, the Amazon rainforest lost 4,300 square kilometers (1,700 square miles) of land, roughly the size of Rhode Island. That is a nearly 46% decrease compared to the previous period. Brazil's deforestation surveillance year runs from August 1 to July 30. The figures are preliminary and come from the Deter satellite system, managed by the National Institute for Space Research, a federal agency and used by environmental law enforcement agencies to detect real-time deforestation. The most accurate deforestation calculations are usually released in November. Amazon deforestation has steeply declined

since the end of far-right President Jair Bolsonaro's rule, in 2022. Under his



government, forest loss reached a 15-year high. Still, much remains to be done to end the destruction. President Luiz Inácio Lula da Silva pledged "deforestation zero" by 2030. His current term ends in January 2027. About two-thirds of the Amazon lies within Brazil. It remains the world's largest rainforest, covering an area twice the size of India. The

Amazon absorbs large amounts of carbon dioxide, keeping the climate from warming even faster than it would otherwise. It also holds about 20% of the world's fresh water and biodiversity that scientists have not come close to understanding yet, including at least 16,000 tree species.

At the same time, deforestation in Brazil's vast savannah, known as the Cerrado, increased by 9%. The native vegetation loss reached 7,015 square kilometers (2,708 square miles) - an area 63% larger than the destruction in the Amazon. The Cerrado is the world's most biodiverse savannah, but less of it enjoys protected status than the rainforest to its north. Brazil's boom in soybeans, the country's second-largest export, have largely come from privately-owned areas in the Cerrado.



Israel said in a statement. A total of 258 people have been wounded in the attack by Hezbollah, including 119 civilians and 139 security forces, it said. A total of 62,224 people, including 15,728 minors, have been displaced internally since the beginning of the war, Israel said.

"Think of the disruption to their education," Mencer said. A total of 98 villages, cities and towns in the northern part of Israel and the Gaza area have been evacuated since the beginning of the war and the total number of evacuees is over 1.40 lakh Israelis, of which 80,000 are of working age. Israel further said that over 1.38 lakh acres of land were burnt due to fire caused by the rocket strikes since the onset of the war.

Israel not invited: US envoy to Japan to skip Nagasaki atomic bomb memorial

Tokyo. U.S. Ambassador to Japan Rahm Emanuel will skip this year's atomic bombing memorial service in Nagasaki because Israel was not invited, the embassy said Wednesday. Emanuel will not attend the event on Friday because it was "politicised" by Nagasaki's decision not to invite Israel, the embassy said. He will instead honour the victims of the Nagasaki atomic bombing at a ceremony at a Buddhist temple in Tokyo, it said. An atomic bomb dropped by the United States on Hiroshima on Aug. 6, 1945, destroyed the city, killing 140,000 people. A second bomb dropped three days later on Nagasaki killed 70,000 more. Japan surrendered on Aug. 15, 1945, ending World War II and the country's nearly half-century of aggression in Asia.

Nagasaki Mayor Shiro Suzuki had indicated his reluctance in June to invite Israel, noting the escalating conflict in the Middle East. He announced last week that Israel was not invited because of concern over "possible unforeseen situations" such as protests, sabotage or attacks on attendees. Nagasaki hoped to honour the atomic bomb victims "in a peaceful and solemn atmosphere," he



said. Suzuki said he made the decision based on "various developments in the international community in response to the ongoing situation in the Middle East" that suggested a possible risk that the

ceremony would be disturbed. In contrast, Hiroshima invited the Israeli ambassador to Japan to its memorial ceremony on Tuesday among 50,000 attendees who included Emanuel and

other envoys, though Palestinian representatives were not invited.

Nagasaki officials said they were told that an official of the U.S. Consulate in Fukuoka will represent the United States at Friday's ceremony. Five other Group of Seven nations - Canada, France, Germany, Italy and the U.K. - and the European Union are also expected to send lower-ranking envoys to Nagasaki.

Envoys from those nations signed a joint letter expressing their shared concern about Israel's exclusion, saying treating the country on the same level as Russia and Belarus - the only other countries not invited - would be misleading.

The envoys urged Nagasaki to reverse the decision and invite Israel to preserve the universal message of the city's ceremony. The exclusion of Israel would make their "high-level participation" difficult, they said. British Ambassador to Japan Julia Longbottom, who attended the 79th anniversary of the atomic bombing of Hiroshima on Tuesday, told Japanese media that she planned to skip the Nagasaki ceremony because the city's decision to exclude Israel could send a wrong message.

NEWS BOX

Rohit Sharma on India's batting debacle vs Sri Lanka: Weren't smart against spin

New Delhi. Rohit Sharma said that India lacked smartness while batting against spin in the ODI series against Sri Lanka. On Wednesday (August 7), the Men in Blue slumped to a massive 110-run defeat in the third game at the R Premadasa Stadium in Colombo. After being asked to chase down a target of 249, the visitors were bowled out for 138 in 26.1 overs. Rohit praised Kusal Mendis and Avishka Fernando for manipulating the field to good effect by playing sweeps, paddle sweeps and reverse sweeps. Fernando's 96 and Mendis' 59 laid the platform for the home team. They also put on a partnership of 82 runs for the second wicket. On the back of their performance, Sri Lanka won the series 2-0. They were consistent with sweeps, taking their chances. There weren't a lot of runs scored down the ground. They didn't use the feet as much as we expected. It was about using sweeps and piercing that deep square leg and midwicket field. That is something we failed to do as a batting unit. We didn't play enough sweeps, reverse sweeps, or paddle sweeps, and used our feet too much. That was the difference," Rohit said after the match. "If you look at Kusal Mendis and Avishka Fernando today [who put on an 82-run stand], they got a lot of runs square of the wicket. They were using the turn, and sweeping, making the fielder move left and right. They were smart with how they batted and we were not,"



Rohit added. "We did not dominate against spin" Jeffrey Vandersay picked up six wickets in the second ODI after which Dunieth Wellalage wrecked the Indian batting with a five-wicket haul. "All in all, we need to admit where we have made mistakes, we didn't dominate against spin. On such wickets, you need to dominate a bit and the Sri Lankan spinners had consistently kept us under pressure in all three games," Rohit added. In all three matches, India were asked to bat second and they failed to chase down targets.

Mirabai Chanu wows to work harder after missing medal in Paris: Tried my best

New Delhi Mirabai Chanu was disappointed after she failed to win a medal in weightlifting in Paris Olympics 2024. On Wednesday, August 7, the 30-year-old finished fourth in the women's 49kg category event, missing out on a spot in the top three. She lifted a total of 199 kgs (88 in snatch and 111 in clean and jerk). Back in 2021, Chanu won the silver medal, but this time around, she couldn't quite put her best foot forward. However, the weightlifter took the defeat in her stride and pledged to work harder to make a strong comeback in the 2028 edition of the Olympics in Los Angeles. "I tried my best to win a medal for the country but I missed it today. It is a part of the game, we all sometimes win and sometimes lose," Mirabai told after her campaign. "Next time I will work harder to win a medal for the country. I will try my best and will deliver my best performance in the next game," Mirabai added. Interestingly, Mirabai finished only a point less than Thailand's Surodchana's tally of 200 (88 in snatch and 112 in clean and jerk).

Mirabai Chanu falters in clean and jerk



Mirabai Chanu delivered a commendable performance at the South Paris Arena, displaying her prowess in the snatch segment by achieving her personal best. Her exceptional strength and technique were evident as she lifted with precision and confidence. However, the clean and jerk phase presented significant challenges, preventing her from reaching the heights she had previously achieved. Despite her valiant efforts, Chanu finished 8 kilograms shy of her personal record of 207 kilograms. This marked a notable deviation from her usual performance standards, reflecting the intensely competitive field she faced. China's Hou Zhihui, a bronze medallist from the Tokyo Olympics, emerged as the event's standout, capturing the gold medal with a thrilling and decisive final lift.

Quincy Hall gets a gold in the Olympic 400 meters with yet another US comeback on the Paris track

Hall reeled in three runners down the stretch of the 400-meter final Wednesday to deliver another heart-stopping win for his country at the Stade de France.

SAINT-DENIS, France. As the flash of red, white and blue streaked past one sprinter — then the next, then the next — the American man delivering the latest out-of-nowhere comeback on the track said he had one thing going through his mind: "Get home, son! Get home, son!" Quincy Hall got home in first, then fell to the ground and did snow angels. Just another routine day in a come-from-behind kind of Olympics for the USA. Hall reeled in three runners down the stretch of the 400-meter final Wednesday to deliver another heart-stopping win for his country at the Stade de France. He finished in 43.40 seconds, beating Britain's Matthew Hudson-Smith by .04 seconds; they are now the



fourth- and fifth-fastest men in history at the distance. Hall's late push came the evening after American Cole Hocker rocked his sport by coming from way back to beat the favorites in a memorable men's 1500. Add in Noah Lyles, whose only lead in his 100-meter thriller Sunday came at the exact point he crossed the finish line, and it's easy to see a pattern. "I've got determination," Hall said. "That's what got me to that line. A lot of hurt, a lot of pain." The win came about an hour after Lyles advanced to the final of the 200 meters despite finishing second to Letsile Tebogo in his semifinal. Lyles will race for

the gold medal Thursday. Things did not look good for Hall with 100 meters to go. Things looked bad for Hall, a 26-year-old who starred at South Carolina and who breeds dogs, as the eight sprinters approached the final curve.

He was 5 or so meters behind Hudson-Smith and 2012 champion Kirani James, both to his left, and as they rounded the bend, Hall was making up ground on Jareem Richards to his outside. It looked to be shaping up as a good battle for bronze. With his arms pumping low and wide and his head bobbing, Hall passed them all, then thrust his chest out to beat the

Brit. Hall fell to the ground and scissored his arms and legs back and forth — snow angels in 80-degree weather on the bright purple track. "I just wanted to keep doing what my coach told me to do, just keep driving and keep driving and get home," Hall said.

Lost in that chaos was Samukonga, the Zambian, who also came from nowhere to take third. Hall is the first American since LaShawn Merritt in 2008 to capture gold in the one-lap race that the country dominated for decades before that. He joins the likes of Michael Johnson, Jeremy Wariner and Lee Evans among the champions the United States has produced in the most tactical sprint on the track program.

"I knew these guys would get out try to see who they could throw off their race," he said. Turns out, not him.

The new champ's reaction when he crossed the line: "I just won. It's over. Next four years, I can say I'm Olympic champion."

US takes silver and almost pulls upset in steeplechase Morocco's Soufiane El Bakkali defended his title in men's steeplechase, finishing in 8 minutes, 6.05 seconds for a .36-second win over America's Kenneth Rooks. Rooks had the lead heading into the homestretch and was looking to pull off a massive upset, but El Bakkali overtook him.

Neeraj Chopra's javelin throw final in Paris Olympics: When and where to watch

New Delhi. The defending champion and India's golden boy Neeraj Chopra gears up for the final of the men's javelin throw at the Paris Olympics 2024. Neeraj stormed into the men's javelin throw final with a mammoth throw of 89.34m to the qualification round on August 6, Tuesday. He managed to breach the direct qualification standard of 84m in his very first attempt, only at the Stade de France. This also turned out to be the second-best throw of the Tokyo Olympic 2020 gold medallist.

Neeraj would step on to the track as India's last major hope for a gold medal at the Paris Olympics. He has the chance to become only the first Indian to win two Olympic golds in the individual event and the fifth man in Olympic history to defend the javelin title. The clash for the podium finish promises to be an absolute cracker of a contest, given how the main contenders of the medal fared during qualification. However, Neeraj topped both group A and B, consisting of 32 javelin throwers. As the defending champion, he led



the list of 12 athletes who made it to the final. When will Neeraj Chopra's javelin throw final at the Paris Olympics 2024 take place? Neeraj Chopra's javelin throw final at the Paris Olympics 2024 will take place on August 8, Thursday. Where will Neeraj Chopra's javelin throw final at the Paris Olympics 2024 take place? Neeraj Chopra's javelin throw final at the Paris Olympics 2024 will take place at Stade de France in Paris. What time will Neeraj Chopra's javelin throw final at the Paris Olympics 2024 start? Neeraj Chopra's javelin throw final at the Paris Olympics 2024 will start at 11:55 PM (IST) where will Neeraj Chopra's javelin throw final at the Paris Olympics 2024 be broadcast? Neeraj Chopra's javelin throw final at the Paris Olympics 2024 will be telecast on the Sports18 1 SD and Sports18 1 HD TV channels. Where to watch the live-streaming Neeraj Chopra's javelin throw final at the Paris Olympics? Neeraj Chopra's javelin throw final at the Paris Olympics 2024 will be streamed live on the JioCinema app and website.

India to face Spain in Olympic bronze medal match: H2H, all you need to know

India will face Spain in the bronze medal match

↳ **India leads the head-to-head against Spain**

↳ **India will welcome back Amit Rohidas back into the mix**



New Delhi. It has been a whirlwind couple of days for the Indian contingent, which would all start with the men's hockey team's agonizing loss to Germany in the semi-final. The Indian team was probably the best team on the day but the world champions were able to edge through in the end and get into the final. The Indian team were left heartbroken, but all is not lost for the team. They will compete for the Bronze medal for the second Olympics in a row and this time they will be facing Spain. The

Spanish side has been on the rise in the world of hockey and the Paris Olympics 2024 is a testament to this. While it started with a 4-0 loss to Great Britain, Spain would pull off the big upset in the form of a 2-0 win over Germany in the group stages. This was followed by a draw against France and a win against South Africa. They would then make it to the quarterfinals, where they secured the biggest win so far in the form of Belgium, who they beat 3-2. Spain will be confident coming into the contest and the Indian team would need to be on their toes. The best thing

is that India will welcome back Amit Rohidas to the side after the defender served his one-match ban. He was sorely missed in the semi-final and the Indian team will be aiming to finish the campaign with the bronze medal.

India vs Spain: Head to Head

India and Spain have played 16 games so far and it is the Indian team that leads the head-to-head 6-5 at the moment. 5 matches have ended in draws between both sides. The last time India and Spain met was in the FIH Hockey Pro League earlier this year, where India won 8-7 in a shootout after the match had ended 2-2.

In the last 5 matches, India have beaten Spain 4 times. In the Tokyo Olympics, India would beat Spain 3-0.

India vs Spain: When and where to watch

The India vs Spain Paris Olympics 2024 bronze medal match will be played on August 8, Thursday at 5:30 PM IST. The match can be viewed on the Sports 18 1 and Sports 18 2 channels and livestreamed on the JioCinema website and app.

After Vinesh Phogat's disqualification, Sarah Hildebrandt wins wrestling gold

Paris Sarah Hildebrandt of the United States put a chaotic morning behind her to win the women's 50kg freestyle event, after Vinesh Phogat's disqualification from the bout on Wednesday, 7 August in Paris. Hildebrandt was originally scheduled to meet Vinesh Phogat in the gold medal match but the Indian was disqualified for being overweight. Cuba's Yusneylys Guzman, who lost to Phogat in Tuesday's semi-finals, was promoted instead and Hildebrandt prevailed 3-0 to win the gold after claiming bronze in Tokyo three years ago. "My mind and body are not computing everything, especially with the chaotic morning I had with the change of opponent," Hildebrandt said at the mixed zone while nibbling a muffin. "It was very strange, like 'Oh my god, I just won the Olympics'" she said of the assumption she had prevailed by forfeit. "So there had to be a reset. I took a nap, woke up, and it was like a fever dream." Earlier in the day, Vinesh

Phogat was disqualified from the women's 50kg wrestling final at the Paris Olympics. The 29-year-old was found ineligible to compete on the second day as she was found



100 grams overweight during the weigh-in on the day of the final. Despite the best efforts from Vinesh Phogat's team on Tuesday night, the wrestler missed the weight on Wednesday. Vinesh Phogat was in the 50kg permissible limit on Tuesday. She

stunned World No. 1 Yui Susaki in the opening round before working her way through in the quarter-final and the semi-final to become the first-ever Indian woman to reach the Olympic wrestling final. The Indian Olympic Association (IOA), in an official statement, confirmed the disqualification. It also requested all stakeholders to ensure Vinesh Phogat's privacy. The International Olympic Committee confirmed Vinesh Phogat's disqualification, confirming that Cuba's Yusneylys, who lost to Vinesh in the semi-final, will play the Gold medal match.

"VINESH Vinesh (IND) failed second day weigh-in. According to the article 11 of the International Wrestling Rules, VINESH Vinesh (IND) will be replaced by the wrestler who lost against her in the Semifinal. Therefore GUZMAN LOPEZ Yusneylis (CUB) will compete in the Final. Repechage SUSAKI Yui (JPN) vs LIVACH Oksana (UKR) will become Bronze Medal," International Olympic Association's statement read.

Don't retire: Vinesh Phogat's uncle Mahavir urges wrestler to rethink

↳ **Vinesh Phogat's uncle, Mahavir Phogat, has urged the Indian wrestler not to retire and said that he will make her understand to change her decision.**

UPDATED. Vinesh Phogat's uncle and childhood coach and mentor, Mahavir Phogat, has urged the Indian wrestler to not retire and re-think her call. Vinesh announced her retirement from wrestling during the early hours on August 8, Thursday. Her decision came after she was disqualified from the 50kg freestyle wrestling final event at the Paris Olympics 2024. However, Vinesh's uncle, who gave wings to her dreams to become a wrestler, felt that this decision had come out of sheer disappointment from her. "She informed about the news early in the morning at 5:00

am. This announcement could have come because of the kind of mental state she must be in after losing out on a medal despite coming so close. After meeting Vinesh, I will make her sit and explain to her to change this decision and work hard on herself. Whenever anyone reaches this close a medal win, they can take such a kind of decision out of anger," Mahavir uncle said while speaking exclusively to India Today.

Vinesh to play LA Olympics 2028?

Mahavir uncle also mentioned that him alongside other wrestlers, including Bajrang Punia would urge her to come out of retirement and participate in the LA Olympics 2028. This was her third Olympics and being this near to good broke her heart. This is common that any athlete who could do this in anger. When she returns, we all me, Bajrang Punia and others will, motivate her for the upcoming 2028 Olympics. In 2016, she could not win the Olympics due to injury. In 2020 and 2024, she was under pressure due to protests against the federation and Brij Bhushan. I think court could give her respite, but it's hard. "He also wants to prepare his younger daughter for the



upcoming Olympics in 2028 and asked the female wrestlers to give their everything for the next Games. "In the future I will talk with Sangeeta, my younger daughter to prepare for the Olympics. Will make 100 Vinesh Phogat who will be winning medals in the Olympics. I want to say women wrestlers that start preparing for the 2028 Olympics and appeal to coaches to train athletes with

discipline. There is no conspiracy. They have their rules and this happened according to rule book." Mahavir uncle said.

Mahavir uncle's support for Vinesh

There was a sense of disappointment, dejection and sorrow on Mahavir uncle's face after the grappler was disqualified, as he broke down soon after. However, as a guru and her uncle, he does not want Vinesh Phogat to give up on her dreams. In fact, he wants Indian women wrestlers like Vinesh and Sakshie Malikhh to inspire the next generation of female wrestlers to fight in the Los Angeles Olympics 2028.

Vinesh appeals against disqualification

Meanwhile, Vinesh Phogat has appealed against her disqualification from the wrestling final at the Paris Olympics 2024 with the Court of Arbitration for Sports (CAS). The move by the Indian wrestler comes after she was not allowed to compete in the finals of the women's 50kg category after missing her weight by just 100 grams. Vinesh, who had won the semi-final bout via a 5-0 margin, was the first Indian woman wrestler to qualify for the final in the Olympics.

Preity Zinta

Attends Taste Of India Festival In Toronto, Says 'Nothing Compares To Our Desi Food'

Preity Zinta has long been celebrated for her on-screen talent. She has earned global acclaim. Recently, she was honoured as a special guest at a food festival in Toronto, where she expressed her heartfelt gratitude to the organisers for the opportunity. The actress shared a captivating clip compilation from the event, highlighting the extensive array of Indian delicacies on display. The festival attracted numerous foreigners and tourists who delighted in the feast. Additionally, the event featured cultural dances and songs. Preity Zinta lit the lamp at the festival and could also be seen capturing the happy environment around her. Summarising her experience at the festival, she wrote, "What an amazing weekend in Toronto for another event for Taste of India, the largest food festival in



North America. So humbled & so happy to see all those smiling faces. Nothing compares to our desi food & our desi vibe. Thank you Rinku Shah and Taste Of India Festival for making me a part of your tribe. I loved every part of being in Toronto. A big shout out to everyone in Toronto for showering me with so much of love."

Her fans were excited to see her being invited to the prestigious festival. One of them stated, "You gave them so many good memories!! Memories to cherish forever," while another person said, "It was rare, I was There." Earlier this year, the actress graced the Cannes Film Festival in style. She visited the event to present the renowned Pierre Angenieux Award to Santosh Sivan, a popular Indian cinematographer. Preity Zinta first collaborated with him in Dil Se. Meanwhile, the actress well known for her roles in iconic films like Dil Se, Kal Ho Naa Ho and Veer-Zaara, has been gone from the big screen for a long time. She will soon be seen in Lahore 1947 alongside Sunny Deol. The film is directed by Rajkumar Santoshi. The film marks Preity and Sunny's long-awaited reunion on screen. The duo had already appeared together in several films like Hero: Love Story of a Spy, Farz and Bhaaiji Superhit. The actress also wrapped up shooting for the film in June.



Marathi Actor Hardik Joshi's Beardless Look Viral



Marathi actors Hardik Joshi and Akshaya Deodhar are some of the most beloved couples in Marathi cinema. They are particularly known for their roles in the serial Tujhyat Jeev Rangala. Hardeek enacted the role of Ranvijay Gaikwad, aka Ranada. On the other hand, Akshaya played the role of Anjali Pathak and has now become the owner of a saree brand. They recently shared their picture on Instagram and Hardik's fans were surprised with his clean-shaven look. In the previous photos uploaded on social media, the Tujhyat Jeev Rangala actor had spotted a heavy beard which became a part of his look. Now, in the recent picture, besides the beardless look, it appears that he had also shed some weight which added to his healthy appearance in the photos.

Hardik and Akshaya's followers dropped heart emoticons in the comment section signifying their love for the couple. Both lovebirds have never shied away from painting the tinsel town red with their romantic pictures. On Valentine's Day, Hardik shared a special post on Instagram to celebrate Valentine's Day. In the post, he shared snaps with Akshaya, where she is wearing a white shirt and blue jeans. On the other hand, Hardik is wearing a matching white shirt and pants. The snaps capture them lovingly gazing at each other, showcasing their affection and bond on this special day.

Recently, on the show Bus Bai Bus, Hardik opened up about how he proposed to Akshaya. He said, "I have known Akshaya for around 5 years. We met on the show Tujhyat Jeev Rangala and bonded well. She became my great friend, but the thought of marriage was not in my head." The actor further said, "It was my mother who asked me to propose the idea of marriage to Akshaya." Hardik remembered his mother telling him that now he is at home for some time and he should think about his wedding. The Tujhyat Jeev Rangala actor recalled his mother saying that this is the right time to get married, otherwise, he will get busy with your other projects.

In Rare Appearance, Mira Rajput Spotted With Daughter Misha



Bollywood actor Shahid Kapoor's daughter, Misha, is all grown up. The little star was recently spotted in Mumbai's Bandra with her mother, Mira Rajput, after a quick salon session. Shahid and Mira, who welcomed their first child, Misha, in August 2016, have since chosen to keep their kids away from media attention. In a rare appearance, the mother-daughter duo was spotted after their salon visit. In the video, while Misha runs ahead of her mother, seemingly to quickly evade the media and get into their car, Mira follows behind attentively. While Mira chose a plain black T-shirt with blue bell-bottom jeans, her daughter looked cute in a simple white dress with a matching hairband.

Notably, the family is back in the bay after their recent Europe vacation. Mira Rajput, who is quite active on social media, took to Instagram and shared pictures and videos of her trip. In one of the videos, she could be seen exploring picturesque locations, with, of course, her kids in company. Prior to that, she also attended Taylor Swift's Eras Tour concert in Munich with her daughter Misha. The mommy-daughter took a selfie at the concert, which she later shared on Instagram. "Core memory with my sunshine swiftie. We couldn't believe it! Mother daughter trip of dreams," Mira wrote.

Her Instagram feed is filled with moments from their family outings, get-togethers and vacations. For those unaware, Shahid Kapoor and Mira Rajput got married in 2015. They welcomed their daughter the next year. In 2018, they were blessed with a son, Zain. Mira, a businesswoman by profession, recently launched her own skincare brand, Akind.

What's Next For Shahid Kapoor?

Last seen in Teri Baaton Mein Aisa Uljha Jiya, alongside Kriti Sanon in the lead, Shahid Kapoor next has Deva in the pipeline. He will be seen opposite Pooja Hedge. Directed by Rosshan Andrews, the action-entertainer is set to release on October 11, 2024.

Niharika Konidela's

Pink Saree Look Portrays A Perfect Blend Of Tradition And Modernity



Apart from her acting and production ventures, Niharika Konidela is a popular name on social media. She frequently shares tidbits from her personal life and updates the fans on her projects as well as fashion photoshoots. The actress's recent social media photoshoot proves why she is considered a leading name in fashion in the industry. Niharika took to her official Instagram handle to share the new shoot, donning a traditional ensemble. The images show the actress in a homely setting, wearing a stunning light-pink saree. The pink blouse of the attire is tailored with a plunging neckline along with little sequin embroidery, across the cloth. The saree's drape is printed with colourful checks, resting elegantly over her left shoulder. She has accessorized the look with silver-hued jhumkis, a bangle and a huge earring. The whole look is complemented by the graceful nose ring the actress has opted to wear. Niharika has captioned the post, "Idhemi gaaradi," completing it with a light pink heart emoticon.

Fans share their praises and appreciation for the images in the comment section below. The first user complimented, "You look great, you got the perfect body language." A second user shared, "Super, mind-blowing expressions." While a third fan stated, "Dream girl." And a fourth fan shared, "Wonderful look." Several fans flooded the replies with heart and heart-eye emoticons. The post has been liked over 227,000 times on the platform.

At the moment, Niharika is busy with the promotions of her production, titled Committee Kurrollu. The film is being helmed by Yadu Vamsi, who is also credited as its writer. The cast of the film includes Sai Kumar, Goparaju Ramana, Sharanaya Suresh, Sri Lakshmi, Teena Sarvya, Prasad Behara and many others. It is being produced by Jayalakshmi Adapaka, Niharika Konidela, Padmaja Konidela and Ramesh Manyam, under the banner of Pink Elephant Pictures. The music on the film is done by composer Anudeep Dev while the cinematographer is Edurolu Raju and Anwar Ali has done the editing.

